थायरोक्सिन (थाइरोइड हॉर्मोन) दवाई शिशु को देने की पद्धति

१. कंजेनिटल हाइपोथायरायडिज्म (थाइरोइडहॉर्मोन की जन्मजात कमी) मेंथायरोक्सिन दवाईलेना बच्चे के शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए अत्यावश्यक है ।

२. दवाईकी सही खुराक चिकित्सक की सलाह से ले।समय-समय परTSH याT4 की जांच से इसकी सही डोस का पता चलता है।

३. थायरोक्सिनकेवल गोली के रुप में उपलब्ध है और इसका कोई सिरप नहीं होता है।

४. गोली कों बच्चों की पहोंच से दूर व धूप से बचाके रखें।

५. यहगोली दिन में एक बार (अक्सर सुबह) दी जाती है।यहध्यान रहे की दवाई देने का समय व तरीका रोजलगभगएकसमान हो।

६. एक साफ कटोरी में ५-१० मिली माँ का दूध (छह माहसे कम आयु) या पानी (छह माह पश्चात) लेकरगोली कोभिगोयें औरमसलें। यह घोल चम्मच या ड्रॉपर सेंबच्चे को दें। कटोरीमें बची दवाई को थोडा और दूध डालकर दें ताकि बच्चे को पूरी खुराक मिले।

७. दवाई को फीडिंग बोतल में न डालें।इसेचम्मच या मूसल सें या कागज में रखकर नापीसें।इससेदवाई जाया होने की सम्भावना है

८. दवाईरोज दें।खासकर बीमारी, शादीब्याहया त्योहारों में डोस न छूटे इसका ध्यान अवश्य दें। अगर आप सुबह डोस देना भूल गए है तो इसे दिन में या अगले दिन भी दिया जा सकता है। परंतु कोशिश करें की इसकी नौबत ज्यादा न पड़े।

९. नियमित रूप से दवाई देने के लिए पिल बॉक्स या केलिन्डर पे टिक लगाने जैसे किसी तरीके का इस्तेमाल अक्सर फायदेमंद होता है।

१०. अगर आयरन या विटामिन की कोई दवाई चल रही है तो डॉक्टर को बतायें इन्हेंथायरोक्सिन के ३-४ घंटे के बाद ही लें।

याद रखें, थायरोक्सिन सही मात्रामेंव सही तरीके से देने पर, कंजेनिटल हाइपोथायरायडिज्म से प्रभावित बच्चे शारीरिक व मानसिक तौर पर पूरी तरह से तंदुरुस्त रह सकते है ।